Deg-2
HIST (H) P-III

तुगलक वंश

खिलजी वंश का अंतिम शासक खुसरो था जो मई 1320 ई० में सुल्तान बना। उसने चार माह से अधिक शासन किया उसके काल में भय और आतंक का शासन था। उसने उन लोगों के मध्य काफी सम्पत्ति बाँटी जिन्होंने उसे सिंहासन पर बैठाने में मदद की थी। परन्तु उसके काल में हत्याओं का दौर भी चल निकला। एक के बाद एक दरबारियों की हत्याएँ होने लगी, जिस कारण प्रजा में आतंक फैल गया और सुल्तान से प्रजा का विश्वास उठ गया। मुसलमान उसके विरोधी हो गए, क्योंकि उसने हिन्दुओं को काफी बढ़ावा दिया तब कुछ दरबारियों ने उत्तर पश्चिम सीमा के पहरेदार गाजी मलिक को बुलावा भेजा और इस क्रूर सुल्तान से प्रजा को मुक्त कराने का अनुरोध किया। दरबारियों के अनुरोध पर गाजी मलिक ने दिल्ली की ओर कूच किया और 5 सितम्बर, 1320 ई० को हुए युद्ध में उसने खुसरो को पराजित कर दिया। अब दरबारियों ने उससे सिंहासन पर आसीन होने का अनुरोध किया, परन्तु उसने इनकार कर दिया। जब उसने देखा कि अलाउद्दीन खिलजी का कोई उत्तराधिकारी नहीं है तो उसने सिंहासन स्वीकार कर लिया और गयासुद्दीन तुगलक के नाम से सिंहासन पर बैठा। इस प्रकार सितम्बर 1320 में तुगलक वंश की नींव डाली।

P.T.O

Scanned with CamScanner

उत्पति – तुगलक वंश को भारत का स्थानीय वंश कहा जा सकता है। गियासुद्दीन तुगलक के पिता बलबन के समय में भारत आए थे और उन्होंने पंजाब की एक जाट स्त्री से विवाह किया था। अर्थात गियासुद्दीन तुगलक की धमनियों में भारतीय खून दौड़ रहा था, गियासुद्दीन तुगलक ने काफी छोटी स्थिति से अपना जीवन शुरु किया और अपनी योग्यता और मेहनत के बल पर शीघ्र ही काफी ऊँचे पद तक पहुँच गया और बाद में उसने तुगलक वंश की स्थापना की।

Scanned with CamScanner